अध्याय-चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

अध्याय –चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

प्रदत्तों के संकलन के पश्चात प्रदत्तों का विश्लेषण करना पड़ता हैं। और उनसे प्राप्त परिणामों का सामान्यीकरण करना पड़ता है। यह अनुसंधान कक्षा 8के विद्यार्थियों के ऊपर किया गया हैं। इस अनुसंधान में कक्षा 8के दोनो समूहों की घटक परीक्षा के पश्चात प्राप्त गुणांको का यथोचित सांख्यिकीय पद्धति से उद्देश्य, परिकल्पना की जाँच विशलेषण, परिणाम एवं व्याख्या इस अध्याय में की गयी हैं।

4.2 शोध के उद्देश्य

4.2.1 उद्देश्य–1

''भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8के विद्यार्थियों की निष्पति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।''

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये कक्षा 8के विद्यार्थियों के दो समकक्ष समूह बनाये गये। यह समूह 40–40 विद्यार्थियो के थे। इनमें से एक समूह को भूगोल का पाठ्यांश शैक्षिक सामग्री का उपयोग करके पढ़ाया गया और दूसरे समूह को यही पाठ्यांश दैनंदिन (पाठ्यपुस्तक) विधि से पढ़ाया गया। और अंत में दोनो समूह की 50 अंकों की घटक परीक्षा ली गई। दोंनो समूह से प्राप्त गुणांको की तुलना की गयी और भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8के विद्यार्थियों की निष्पति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया।

4.2.2 उद्देश्य–2

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8के छात्राओं की निष्पति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।"

इस अनुसंधान के लिये जो दो समकक्ष 40–40 विद्यार्थियों के समूह बनाये गये थे उन दोंनो समूह में 20–20 छात्रायें थी। इन छात्राओं पर शैक्षिक सामग्री का उनकी निष्पति पर क्या प्रभाव पड़ा इसे जानने के लिये दोंनो समूह के छात्राओं की घटक प्रश्नपत्र के पश्चात जो अंक प्राप्त हुये उनकी तुलना की गयी और इस उद्देश्य की पूर्ति की गयी।

4.2.3 उद्देश्य–3

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्रों की निष्पति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।"

इस अनुसंधान के लिए जो दो 40–40 विद्यार्थियों के समकक्ष समूह बनाये गये थे उन दोंनो समूह में 20–20 विद्यार्थी छात्र थें इन समूह के छात्रों की घटक प्रश्नपत्र के पश्चात प्राप्त गुणों के आधार पर तुलना की गई और भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8के छात्रों की निष्पति पर क्या प्रभाव पड़ा यह देखा गया।

4.3. अनुसंधान परिकल्पना की जाँच

★ **परिकल्पना–1**

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका क्रमांक 4.3.1 नियंत्रित और प्रयोगिक समूहों के विद्यार्थियों में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना–

समूह	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	निष्कर्ष
नियंत्रित समूह	40	18.3	2.75	27.45	सार्थक है
प्रायोगिक समूह	40	35.05	2.72		

★ – 0.01 स्तर पर अंतर सार्थक हैं।

निरीक्षण

नियंत्रित समूह का मध्यमान 18.3 है और प्रायोगिक समूह का मध्यमान 35.05 है। नियंत्रित समूह का प्रामाणिक विचलन 2.75 है और प्रयोगिक समूह का प्रामाणिक विचलन 2.72 हैं। इनका क्रान्तिक अनुपात 27.45 हैं। और 0.01 स्तर पर सार्थक हैं। याने की भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8वी के विद्यार्थियों के निष्पति में सार्थक अंतर है। इसलिये परिकल्पना 1 अस्वीकृत की जायेगी।

विश्लेषण

भूगोल विषय परंपरागत अध्यापन पद्धति पढ़ाने पर विद्यार्थी अध्ययन में कम रूचि दिखाते है। इसके अलावा अगर भूगोल विषय शैक्षिक सामग्री का प्रयोग करके पढ़ाया जाये तो विद्यार्थी रूचि के साथ अध्ययन करेंगे और इसका अच्छा परिणाम उनके परीक्षा में प्राप्त गुणांकोपर दिखायी देता होंगा।

निष्कर्ष

भूगोल विषय शैक्षिक सामग्री के प्रयोग के साथ पढ़ाने पर इसका विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर अच्छा परिणाम दिखायी देता है।

★ **परिकल्पना–2**

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्राओं की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका क्रमांक 4.3.2 नियंत्रित और प्रयोगिक समूहों के छात्राओं में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना–

समूह	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	निष्कर्ष
नियंत्रित समूह	20	18.3	3.37	18.50	सार्थक है
प्रायोगिक समूह	20	35.6	2.72		

★ 0.01 स्तर पर अंतर सार्थक हैं।

निरीक्षण

नियंत्रित समूह का मध्यमान 18.3 है और प्रायोगिक समूह का मध्यमान 35.06 है। नियंत्रित समूह का प्रामाणिक विचलन 3.37 है और प्रयोगिक समूह का प्रामाणिक विचलन 2.72 हैं। इनका क्रान्तिक अनुपात 18.50 हैं। और 0.01 स्तर पर सार्थक हैं। याने की भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के

प्रयोग से कक्षा 8वी के छात्राओं की निष्पति में सार्थक अंतर है। इसलिये परिकल्पना 2 अस्वीकृत की जायेगी।

विश्लेषण

भूगोल विषय परंपरागत अध्यापन पद्धति पढ़ाने पर छात्रायें कम मात्रा में लक्ष्य केन्द्रित करती है। भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के साथ पढ़ाने पर छात्राओं का ध्यान विचलित नहीं होता और वे लगन के साथ अध्ययन का कार्य करती है। इसलिये उन्हें परीक्षा में अच्छे गुण प्राप्त हुये हैं।

निष्कर्ष

भूगोल विषय शैक्षिक सामग्री के प्रयोग के साथ पढ़ाना छात्राओं के निष्पत्ति के दृष्टि से अधिक उपयुक्त साबित होगा।

★ **परिकल्पना–3**

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्रों की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका क्रमांक 4.3.3 नियंत्रित और प्रयोगिक समूहों के छात्रों में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना–

समूह	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	निष्कर्ष
नियंत्रित समूह	20	18.3	2.31	19.83	सार्थक है
प्रायोगिक समूह	20	34.7	2.89		

★ – 0.01 स्तर पर अंतर सार्थक हैं।

निरीक्षण

नियंत्रित समूह का मध्यमान 18.3 है और प्रायोगिक समूह का मध्यमान 34.7 है। नियंत्रित समूह का प्रामाणिक विचलन 2.31है और प्रयोगिक समूह का प्रामाणिक विचलन 2.89 हैं। इनका क्रान्तिक अनुपात 19.83 हैं। याने की भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8वी के छात्रों की निष्पति में सार्थक अंतर है। इसलिये परिकल्पना 3 अस्वीकृत की जायेगी।

विश्लेषण

शैक्षिक सामग्री का उपयोग भूगोल अध्यापन में करने पर छात्रों का ध्यान पाठ्यवस्तु की तरफ लगा रहा। उन्होंने पढ़ते वक्त रूचि के साथ अध्ययन किया इसलिये उन्हें अधिकाधिक पाठ्यवस्तु समझ में आयी। परिणामस्वरूप उनको परीक्षा मे अच्छे गुण प्राप्त हुये।

निष्कर्ष

परंपरागत अध्यापन पद्धति से पढ़ाने के अलावा शैक्षिक सामग्री के साथ अध्यापन करना अधिक छात्रों के लिये अधिक